

कल की फ़िक्र मत करो

इंजील : मत्ता 6:19-34

[ईसा^(अ.स) लोगों को दौलत जमा करने के बारे में बता रहे थे। उन्होंने कहा:] “तुम अपने लिए ज़मीन पर दौलत जमा मत करो। कीड़े और जंग उसको बरबाद कर देंगे और चोर घर में घुस कर उसको चुरा ले जाएंगे।⁽¹⁹⁾ तुम अपनी दौलत को जन्नत में जमा करो, जहाँ पर कीड़े और जंग उसे बर्बाद नहीं कर सकते और ना ही चोर उसे चुरा सकते हैं।⁽²⁰⁾ जहाँ भी तुम्हारी दौलत होगी तुम्हारा दिल भी वहीं पर लगेगा।⁽²¹⁾

“इंसान के जिस्म में रौशनी आँख से हो कर आती है। तो अगर तुम्हारी आँख अच्छी है, तो तुम साफ़ देख सकते हो और तुम्हारा पूरा जिस्म रौशनी से भर जाएगा।⁽²²⁾ लेकिन अगर तुम्हारी आँख खराब है और तुम देख नहीं सकते, तो तुम्हारा पूरा जिस्म अँधेरे से भरा हुआ होगा। इसलिए अगर तुम अपने अंदर के अँधेरे को रौशनी समझ रहे हो, तो तुम्हारे अंदर का अँधेरा कितना ज्यादा होगा।⁽²³⁾

“तुम एक साथ दो मालिकों की खिदमत नहीं कर सकते। तुम उनमें से एक को पसंद करोगे और दूसरे से नफ़रत, या तुम एक का कहना मानोगे और दूसरे की नाफ़रमानी करोगे। तुम एक साथ अल्लाह ताअला और दौलत की खिदमत नहीं कर सकते।⁽²⁴⁾

“इसी वजह से मैं तुमको बताता हूँ, अपनी ज़िंदगी के बारे में फ़िक्र मत करो, कि तुम क्या खाओगे और क्या पियोगे तुम ना ही अपने जिस्म के बारे में सोचो, कि तुम उस पर क्या पहनोगे। ज़िंदगी खाने से कहीं ज्यादा कीमती है और जिस्म उन कपड़ों से ज्यादा कीमती है जो तुम उसपर पहनते हो।⁽²⁵⁾ चिड़ियों को देखो, वो ना ही फ़सल उगाती हैं, ना ही काटती हैं और ना ही उनको गोदाम में संभाल कर रखती हैं, बल्कि तुम्हारा रब उनको खाना खिलाता है। क्या तुमको नहीं पता कि तुम्हारी अहमियत चिड़ियों से कहीं ज्यादा है?⁽²⁶⁾ तुम ज्यादा सोच कर भी अपनी लम्बाई ज़रा भी बढ़ा नहीं पाओगे!⁽²⁷⁾

“और तुम कपड़ो की फ़िक्र क्यों करते हो? तुम मैदान में लगे इन जंगली फूलों पर नज़र डालो। देखो ये किस तरह उगते हैं। ना ही ये काम करते हैं और ना ही अपने लिए कपड़े बनाते हैं।⁽²⁸⁾ मैं तुमको बताता हूँ, सुलेमान^(अ.स) नबी, जो अज़ीम और अमीर बादशाह थे, उन्होंने भी इन फूलों जैसे खूबसूरत कपड़े नहीं पहने।⁽²⁹⁾ अल्लाह रब्बुल आलमीन फूलों को कितने खूबसूरत कपड़े पहनाता है जो आज ज़िंदा हैं और कल मर जाएंगे। क्या तुम्हारा रब तुम्हारे लिए इससे ज्यादा नहीं करेगा? तुम लोगों का ईमान कितना कमज़ोर है!⁽³⁰⁾

“तो इसलिए तुम, परेशान ना हो और ये ना कहो, ‘हम क्या खायेंगे?’ ‘हम क्या पियेंगे?’ या ‘हम क्या पहनेंगे?’⁽³¹⁾ वो लोग जो अल्लाह ताअला को नहीं जानते हमेशा इन सब चीज़ों के लिए ही परेशान रहते हैं। तुम लोग बिलकुल भी परेशान ना हो, अल्लाह रब्बुल अज़ीम सब जानने वाला है कि तुम्हें कब किस चीज़ की ज़रूरत है।⁽³²⁾ इसके बजाए, हमेशा अल्लाह ताअला की सलतनत की ख्वाहिश करो और उसे हासिल करने के लिए नेक बन जाओ। तब तुम्हें जिस चीज़ की भी ज़रूरत होगी तो वो तुम्को खुद मिल जाएगी।⁽³³⁾

“तो इसलिए कल की फ़िक्र ना करो। हर दिन की अपनी खुद की मुसीबतें हैं और कल की अपनी खुद की परेशानियां।”⁽³⁴⁾